आखर हिंदी पत्रिका

An International Peer Reviewed Referred Online E-Journal

E- ISSN - 2583-0597; खंड 3/अंक 1/जनवरी 2023

अनुक्रमणिका

संपादकीय प्रो. प्रतिभा मुदलियार 1-2

कविताएं

- हज़ारों नदियाँ — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 3-4
- वे मेरे लोग हैं — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 5-6
- आप सब — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 7-8
- सपनों का पुनर्जन्म — डॉ. शोभना. एस — 9
- अमृतोत्सव भारतीयम् — डॉ. निर्मला — 10-12
- ऊपर नीचे... ऊपर नी.... — प्रो. प्रमोद कोवप्रत — 13-14
- प्रेमयोग — डॉ. नीता दौलतकर — 15-16
- रीढ़ — डॉ. नीता दौलतकर — 17-18
- तुम्हारा आना मतलब वसंत — डॉ. सुमन शर्मा — 19
- नारी — डॉ. सुमन शर्मा — 20
- सूर्योदय — डॉ. सुमन शर्मा — 21
- जीवन का हिसाब — डॉ. कृति कुमारी — 22-23
- अग्नि पुरुष — प्रो. वृषाली मांद्रेकर — 24-27
- सीता — डॉ. आशा रब्ब — 28
- खोया है — डॉ. आशा रब्ब — 29
- शूर्पनखी — डॉ. आशा रब्ब — 30
- रास्ता भर रौशनी रहे — डॉ. आशा रब्ब — 31
- सोलवा साल — सौ.अंजली माधव देशपांडे — 32

कहानीयां

- वियोगांतक — डॉ. संघमित्रा पृष्टि — 33-35
- आलोकिता — डॉ. प्रताप केशरी होता — 36-43
- दर्जिन — शिप्रा चतुर्वेदी — 44-49
- दुःख और आसूं — डॉ.बायजा कोटुळे — 50-66
- मिलना — बिछड़ना — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 67-72
- नया जन्म — डॉ. नागरत्ना एन. राव — 73-82

नाटक

- तबाही — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 83-106

आत्मकथा

- एक जगह बस जाने की दिव्य घड़ी — करुणालक्ष्मी.के.एस — 107-111

लेख

- नवरात्रि और गुड़िया घर व्यवस्था — डॉ. शोभना . एस — 112-114
- मेरे अनुवाद मेरे अनुभव — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 115-118
- महिला — डॉ. शोभना . एस — 119

शोधालेख

- समाज की उन्नति में योगदान करने के लिए युवा महिलाओं को शैक्षिक अवसर प्रदान करने का महत्वपूर्ण महत्व — अमित डिमरी — 120-132
- तमिल साहित्य - संगकाल के प्रसिद्ध कवयित्री "अव्वैयार" — डॉ. बी.कामकोटी — 133-138

****